

॥ सर्वभूतहिते रता: ॥

स्वामी शुकदेवानन्द ट्रस्ट

परमार्थ निकेतन

पोर्टलक्ष्मी-249 304 यमकेश्वर (हिमालय)

(आयकर अधिनियम एवं सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के अन्तर्गत मान्य)

फोन : (0135) 2434301, 2434302 फैक्स : 2440066

email: parmarth@parmarth.com website : www.parmarth.com

दिनांक : 10 जुलाई, 2021



संदर्भापक

बधलीन

महामण्डलेश्वर

स्वामी शुकदेवानन्द

सरस्वती जी महाराज

चैयरमैन व

मैनेजिंग ट्रस्टी

परम पूज्य

महामण्डलेश्वर

स्वामी असगानन्द

सरस्वती महाराज

वेदान्त साहित्याचार्य

एम० ए०

अध्यक्ष

पूज्य स्वामी विद्यानन्द

सरस्वती महाराज

“मुनि जी”

रोपा में,

श्रीमान उप-निदेशक महोदय,

राजाजी टाईगर रिजर्व,

5/1 असारी मार्ग, देहरादून

(उत्तराखण्ड)

विषय— Lease Renewal land of Swami Shukdevanand Trust, Parmarth Niketan, Tehsil Yamkeshwar, District Pauri Garhwal के सम्बन्ध में। आनलाइन प्रस्ताव सं० - FU/ UK/ Others/ 42571/ 2019.

सन्दर्भ— आपका ई०डी०एस० पत्र संख्या 491/ 12-१ देहरादून दिनांकित
17 जून, 2021

मान्यवर,

आपके उक्त सन्दर्भित पत्र दिनांक 17 जून, 2021 के उत्तर में विन्दुवार दिवरण
निम्न प्रकार से हैं:-

- आपके उक्त पत्र में प्रथम विन्दु के रूप में यह स्पष्टीकरण मांगा गया है कि क्या वर्ष 1999 से 2018 तक हमारे द्वारा विषयगत लीज का नवीनीकरण प्रस्ताव आपके कार्यालय में प्रेषित किया गया या नहीं? इस सम्बन्ध में हमारा स्पष्टीकरण इस प्रकार है – विषयगत लीज की अवधि समाप्त होने के उपरान्त वन संरक्षण अधिनियम 1980 के प्रावधानों के अनुरूप हमने लीज नवीनीकरण का प्रार्थना पत्र 08.11.1993 को ही प्रेषित कर दिया था, जो आपके कार्यालय में विधिवत उसी दिन अर्थात् 08.11.1993 को ही प्राप्त भी किया गया है। इसी प्रार्थना पत्र के साथ हमने 13 आवश्यक दस्तावेजों को भी संलग्न किया था।
कृपया देखें – लीज नवीनीकरण प्रार्थना पत्र दिनांक 08.11.1993 संलग्न-१ है।

यह प्रार्थना पत्र प्रेषित करने के बाद हमने लगातार आपके विभागों को लीज नवीनीकरण के लिए अनेकों स्मृति पत्र भेजे। यह स्मृति पत्र 28 जुलाई 99, 7 अगस्त 2000, 6 जून 2001, 5 सितम्बर 2002, 23 नवम्बर 2003, 8 अक्टूबर 2004, 9 जुलाई 2005, 10 सितम्बर 2006, 11 अगस्त 2007, 12 अक्टूबर 2008, 13 जुलाई 2009, 14 जून 2010, 15 सितम्बर 2011, 17 अगस्त 2012, 18 मई 2013, 19 जून 2014, 22 सितम्बर



ट्रस्ट द्वारा

संचालित स्थावर

अध्यात्म-गौशाला-गुरुकुल

संस्कृत महाविद्यालय

पुस्तकालय-चिकित्सालय

प्राकृतिक चिकित्सा

शिक्षा-योग-ध्यान